क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 301, शनिवार, 01 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम को बदलने को तैयार हैं हम :राहुल

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। मोदी सरकार के लाख कोशिश के बाद भी देश में कृषि संकट अभी बना हुआ है। इस कृषि संकट से निपटने के लिए प्रदर्शन कर रहे किसानों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। किसानों की रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा है कि अगर पीएम मोदी अपने १५ सबसे अमीर दोस्तों का कर्जा माफ कर सकते हैं तो उन्हें देश के करोड़ों किसानों का कर्जा भी माफ करना होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने देश को अंबानी-अडाणी के बीच में बांट दिया है। बता दें कि शुक्रवार को किसानों के प्रदर्शन में एक बार फिर विपक्ष ने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। इस मौके पर तमाम विरोधी नेता कांग्रेस से राहुल गांधी, केजरीवाल, शरद यादव, सीताराम येचुरी एकजुटता दिखाते हुए मौजूद रहे। राहुल गांधी के बाद किसानों को संबोधित करते हुए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर किसानों की नहीं सुनी गई तो वे २०१९ में मोदी सरकार के खिलाफ देशभर में कयामत ढा देने वाले है। वहीं, किसानों के आंदोलन में शामिल होने पहुंचे राहुल गांधी ने कहा कि अगर अगर १५ लोगों का कर्जा माफ हो सकता है तो हिंदुस्तान के करोड़ों किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा। राहुल ने कहा, किसान कोई फ्री गिफ्ट नहीं मांग रहा, अपना हक मांग रहा है। पीएम ने वादा किया था बोनस का, एमएसपी का। आप बीमा का पैसा देते हो, अनिल अंबानी की जेब में जाता है। किसान ये भी नहीं चुन सकता कि कौन सा बीमा ले। मोदी ने हिंदुस्तान को बांट रखा है, कहीं अंबानी को कहीं अडाणी को।'

राहुल गांधी ने राफेल डील पर अपने पुराने आरोपों के संदर्भ में कहा, 'हिंदुस्तान का किसान मोदीजी से अनिल अंबानी का हवाई जहाज नहीं मांग रहा है। किसान पूछ रहा है कि अगर अनिल अंबानी को वायुसेना का पैसा दे सकते हो, १५ अमीर मित्रों का कर्ज माफ कर सकते हो तो हमारा भी माफ करो। राहुल ने विपक्षी एकता की बात करते हुए कहा, हम सब की विचारधारा अलग है, लेकिन किसान और युवाओं के लिए हम एक हैं। चाहे कानून बदलना पड़े, सीएम बदलना पड़े, या पीएम बदलना पड़े, हम बदलने को तैयार है। पूरे देश से हिंदुस्तान के किसान और युवाओं की आवाज है, जिस आप चुप नहीं कर सकते।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदीजी के मुंह से हिंदुस्तान के सबसे १५ अमीर अनिल अंबानी जैसे लोगों की आवाज निकलती है। पांच साल पहले हम सबने कहा था कि अगर कोई सरकार हिंदुस्तान के किसान का अपमान करेगी, हिंदुस्तान के युवाओं का अपमान करेगी तो उस सरकार को हिंदुस्तान हटा कर रहेगा। आप देश को भोजन देते हो। आप चार बजे सुबह उठकर देश को अपना खून-पसीना देते हो। इस देश को कोई एक व्यक्तिनहीं चलाता है। कोई एक पार्टी नहीं चलाती है। इस देश को किसान, मजदूर, छोटे व्यवसायी चलाते हैं।

इस मौके पर केज रीवाल ने कहा, मोटे तौर पर तीन मांगें समझ में आती हैं।

जितना कर्ज किसानों का है वह सारा कर्ज माफ होना चाहिए। किसानों को उनकी फसल का पूरा दाम मिलना चाहिए। जो वादा किया गया था स्वामीनाथन आयोग का उस लागू किया जाना चाहिए। किसानों को भीख नहीं चाहिए, किसान अपना हक मांग रहे हैं।

भाजपा विधायक ने दिया इस्तीफा, पार्टी भी छोड़ी

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राउरकेला से भाजपा विधायक दिलीप राय ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा से भी नाता तोड़ लिया है। उन्होंने कहा मैं विधानसभा क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। मैं नैतिक रूप से इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने इसके आगे लिखा है मैंने इसी के चलते पार्टी छोड़ने और इस्तीफा देने का निर्णय लिया है। दिलीप राय अपना इस्तीफा देने ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष प्रदीप अमट के पास पहुंचे और उन्हें अपना तीन पेजों का इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष अमट को इस्तीफा सौंपने के बाद दिलीप राय ने अपने इस्तीफे की जानकारी ट्विटर पर साझा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। दिलीप राय ने कुछ दिन पहले ही भाजपा छोड़ने और विधायक पद से इस्तीफा देने के संकेत दिए थे। राजनीतिक गलियारों में उनके बीजू जनता दल (बीजद) में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

नर खोपड़ी लेकर आंदोलन में शामिल हुए तमिलनाडु के किसान

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। एक बार फिर दिल्ली में चल रहे किसानों के दो दिवसीय 'मुक्ति मार्च' में तमिलनाडु के किसान अपना पुराना तरीका अपनाते हुए नर खोपड़ी के साथ आंदोलन में शामिल हुए हैं। नर खोपड़ी के साथ ही तमिलनाडु के किसानों ने अर्ध नग्न होकर केंद्र सरकार के प्रति अपना गुस्सा जाहिर किया है। इससे पहले अक्टूबर २०१७ में भी तमिलनाडु के किसान इसी तरह से सरकार के प्रति विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। तमिलनाडु के किसानों की मानें तो यह उन किसानों की खोपड़ी है जो फसलों के खराब होने और बढ़ते कर्ज के चलते आत्महत्या कर अपनी जान दे चुके हैं। तमिलनाडु के किसान इस दौरान हरे झंडों और हरे रंग के ही कपड़ों में नजर आए। वहीं आंदोलन में शामिल हुए किसान नेताओं ने कहा कि अगर सरकार उनकी मागों पर ध्यान नहीं देती है तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है। साथ ही वे आगामी चुनावों में सरकार को इसका जमकर सबक सिखाएंगे। किसान महासभा के सचिव अतुल अंजान की मानें तो सरकार को स्पेशल सेशन में किसानों के लिए दो बिल लेकर आना चाहिए। एक कर्ज माफी का और दूसरा फसलों की उचित कीमत की गारंटी का है। मालूम हो कि देशभर के ये किसान अपनी संपूर्ण कर्ज माफी और फसलों को डेढ़ गुना ज्यादा समर्थन मूल्य की मांग की है। किसानों के इस आंदोलन को कई वर्गों का भरपूर समर्थन मिला है, जिनमें कई राजनीतिक पार्टियां भी शामिल हैं। किसान आंदोलन में शामिल ऑल इंडिया किसान सभा के बिहार से आए लक्ष्मण सिंह ने कहा कि अगर अगर उनकी मागों को नहीं मानती है तो १९४७ जैसा आजादी का संघर्ष होगा।

मनोहर पर्रिकर को हटाने का तो सवाल ही नहीं: सरदेसाई

पणजी , 30 नवम्बर। गोवा फॉरवर्ड पार्टी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने कहा कि बीमार चल रहे गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर की जगह किसी और को इस पद पर लाने का कोई सवाल ही नहीं है। बात दे कि पर्रिकर मंत्रिमंडल में सरदेसाई कृषि मंत्री हैं। अग्न्याशय की बीमारी से पीडित पर्रिकर नई दिल्ली में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) अस्पताल से इलाज कराने के बाद १४ अक्टूबर को राज्य वापस लौट थे।

नई दिल्ली में विज्ञान भवन में दूसरे अंतर्राष्ट्रीय अम्बेडकर सम्मेलन के समारोह का उद्घाटन करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

राहुल के कहने पर गया था पाकिस्तान, अमरिंदर ने मुझे पाकिस्तान जाने से मना किया :सिद्धू

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्ध ने अपनी पाकिस्तान यात्रा से वापस आने के बाद बड़ा बयान दिया है। सिद्ध ने कहा कि उन्हें राहुल गांधी ने ही पाकिस्तान भेजा था, उन्होंने कहा, मेरे कप्तान राहुल गांधी हैं, उन्होंने ही भेजा है हर जगह। सिद्ध ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुझे पाकिस्तान जाने से मना किया था। लेकिन करीब २० कांग्रेसी नेताओं और केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर मैं पाकिस्तान गया था। पंजाब के सीएम मेरे पिता के समान हैं, मैं उनसे पहले ही बता चुका था कि मैं पाकिस्तान जाऊंगा। मेरे कप्तान राहुल गांधी हैं और सीएम साहब के कप्तान भी राहुल गांधी हैं।

हैदराबाद में कांग्रेस के लिए प्रचार करने पहुंचे सिद्ध ने कहा कि जब मैं पाकिस्तान गया था और वहां से लौटकर करतारपुर कॉरिडोर की बात की थी, तब लोगों ने मेरा मजाक बनाया था। सभा के दौरान तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव की तुलना गिरगिट से करते हुए सिद्ध ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने सोनिया जी को धोखा दिया है। वह अपने ३०० करोड़ के बंगले में रहते हैं। सचिवालय नहीं जाते हैं, हम राहुल गांधी के सिपाही हैं, मेरा नारा है कि बुरे दिन जाने वाले हैं और राहुल गांधी आने वाले हैं। लाल किला पर झंडा फहराने वाले हैं, कोई रोक सके तो तो रोको। बता दें, करतारपुर कॉरिडोर को लेकर पंजाब के कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्ध की अब तक वाह-वाही हो रही थी। लेकिन गुरुवार को खालिस्तानी आतंकी और हाफिज सईद के करीबी गोपाल सिंह चावला ने सिद्ध के साथ खुद की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, इसके बाद सिद्धू की पाकिस्तान यात्रा विवादों में आ गई है।

राजस्थान का रण भेदने के लिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने रचा चक्रव्यूह

जयपुर , 30 नवम्बर। देश में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में मतदान के बाद पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष ने अपना पूरा फोकस राजस्थान और तेलंगाना चुनाव पर लगा दिया है। राजस्थान और तेलंगाना चुनाव धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंचने लगा है। पीएम मोदी और अमित शाह अच्छी तरह से जानते हैं कि तेलंगाना में उनकी पार्टी सरकार बनाने में सक्षम नहीं है, लेकिन त्रिकोणीय चुनाव में अगर ऐसी स्थिति बनी कि अगर किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलता हैं तो बीजेपी चंद्रशेखर राव की टीआरएस को समर्थन देकर २०१९ लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए कुनबा बढ़ा सकती है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में अगर बीजेपी को कांग्रेस से कहीं कड़ी टक्कर मिल रही है वहां इकलौता राज्य राजस्थान, ये बात बीजेपी के नेता खुले मंच से स्वीकार कर रहे हैं। राजस्थान की ३३ जिलें हैं, जिनमें २०० विधानसभाएं हैं। लेकिन एक बार फिर बीजेपी को राजस्थान में सत्ता के शीर्ष पर पहुंचाने के लिए अमित शाह की चुनावी रणनीति का फोकस २२ जिलों की १२० विधानसभा सीटों पर हैं।

पीएम मोदी ने अबतक राजस्थान में सिर्फ १० चुनावी रैलियां की हैं। पीएम मोदी की ये रैलियां अलवर, भीलवाड़ा, बेनेश्वर धाम, कोटा, नागौर और भरतपुर में हुई हैं। अपने विदेश दौरे से आने के बाद पीएम मोदी एक बार फिर राजस्थान के रण में कूदकर जोधपुर, हनुमानगढ़, सीकर और जयपुर में भी रैली करने वाले है। अंतिम दिनों में चुनावी माहौल को देखते हुए उनकी दो-तीन रैली बढ़ाई जा सकती है। अमित शाह की चुनावी रणनीति के तहत पीएम मोदी भले ही १० चुनावी रैली कर रहे हैं, लेकिन इन रैलियों से बड़े मोदी इफेक्ट की उम्मीद है।

अमित शाह भी पीएम मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलकर १२ जिले फलौदी, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, डूंगरपुर, डीग-कुम्हेर, करौली, स.माधोपुर, खाजूवाला, नवलगढ़, सुजानगढ़ और रायसिंहनगर में चुनावी रैली कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अमित शाह की चुनावी रणनीति के फोकस में ये २२ जिले इसलिए हैं क्योंकि इन जिलों में केंद्र सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं का खासा असर जमीन पर देखने को मिला है। इसीकारण बीजेपी को २२ जिलों की १२० सीटों में लगभग ८० सीटें जीतने की उम्मीद है। मतलब साफ है कि पीएम मोदी और अमित शाह चुनावी अंक गणित में मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पीएम मोदी और अमित शाह चुनाव होने से करीब एक साल पहले ही अपनी रणनीतियों को अंजाम देना शुरू कर देते हैं, जिसका फायदा उन्हें चुनाव में भरपूर मिलता है।

धोती कुर्ता पहनकर सदन पहुंचे तेज प्रताप, नहीं गए लालू-राबड़ी के घर

पटना , 30 नवम्बर। अपनी पत्नी से तलाक लेने की अर्जी दे चुके आरजेडी विधायक और लालू-राबड़ी के बेटे तेज प्रताप यादव इन दिनों खूब चर्चा में है। इसी कड़ी में तेजप्रताप यादव बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन पहली बार बिहार विधानसभा पहुंचे। उनकी मौजूदगी आरजेडी और अन्य दलों के नेताओं के बीच कौतूहल का केंद्र बन गई। खास बात है कि अक्सर कुर्ता और पजामा में दिखने वाले तेज प्रताप यादव आज धोती

कुर्ता पहन कर सदन पहुंचे। विधानसभा पहुंचने के बाद उन्होंने आरजेडी के द्वारा प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सदन में हो रहे हंगामे में हिस्सा लिया। सदन के स्थगित होने के बाद वह बाहर निकल कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला। तेज प्रताप ने कहा कि बिहार में बवाल मचा हुआ है और उनकी पार्टी सदन में नीतीश सरकार की खामियों को उठा रही है। गौरतलब है कि बीते एक महीने से तेज प्रताप पटना से दूर रांची, बनारस, मथुरा, वृंदावन और दिल्ली में प्रवास कर रहे थे। गुरुवार को वह पटना पहुंचे थे। दिलचस्प बात यह है कि २ दिनों से पटना में होने के बावजूद वह अपने माता-पिता राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव के सरकारी आवास १०, सर्कुलर रोड नहीं गए हैं। तेज प्रताप पिछले २ दिनों से कभी होटल में तो कभी अपने दोस्तों के घर पर रह रहे हैं।

किसानों ने बांटे पर्चे, लिखा माफ कीजिएगा, आपको परेशानी हुई!

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। माफ कीजिएगा! हमारे इस मार्च से आपको परेशानी हुई होगी। हम किसान हैं।' ये चंद पंक्तियां भर नहीं हैं, जिसे पढ़कर आगे बढ़ जाया जाए। ये उन लाखों किसानों का दर्द है, जो उन्होंने दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन करने के दौरान लोगों को बांटे पर्चे में जताया है। उन्होंने पीले रंग के इस पर्चे में उनके साथ हो रही नाइंसाफी को उजागर करना चाहा है। यह पर्चा पिछले २ दिनों से सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इसमें किसानों ने लिखा है- 'माफ कीजिएगा! हमारे इस मार्च से आपको परेशानी हुई होगी। हम किसान हैं। आपको तंग करना हमारा इरादा नहीं है। हम खुद बहुत परेशान हैं। सरकार को और आपको अपनी बात सुनाने बहुत दूर से आए हैं। हमें आपका बस एक मिनट चाहिए। इसके बाद किसानों ने इस पर्चे में उन कीमतों का जिक्र किया है, जिसमें उनके साथ नाइंसाफी होती है। उन्होंने लिखा है कि मूंग दाल जो लोग १२० रुकिग्रा की दर पर खरीदते हैं, उसकी उन्हें सिर्फ ४६ रुपये/किलो कीमत ही मिलती है।

कोयला घोटाला: पूर्व कोयला सचिव सहित 5 अन्य दोषी करार

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को पूर्व कोयला सचिव एच सी गुप्ता को पश्चिम बंगाल की कोयला खदान आवंटन से जुड़े कोयला घोटाला एक मामले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश रचने का दोषी ठहराया। विशेष सीबीआई न्यायाधीश भरत पाराशर ने गुप्ता के अलावा निजी कंपनी विकास मेटल्स एंड पावर लिमिटेड(वीएमपीएल), कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर रहे और अभी भी सेवारत केएस क्रोफा और कोयला मंत्रालय में तत्कालीन निदेशक (सीए-१) के सी सामरिया को मामले में दोषी ठहराया है। कोर्ट ने कंपनी के प्रबंध निदेशक विकास पटानी और उसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आनंद मलिक को भी मामले में दोषी ठहराया। यह मामला पश्चिम बंगाल में मोइरा और मधुजोर (उत्तर और दक्षिण) कोयला खदानों को वीएमपीएल को देने में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। सीबीआई ने सितंबर २०१२ में इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की थी। फैसले को सुनाए जाने के बाद सभी ५ दोषियों को हिरासत में ले लिया गया। इनकी सजा की अवधि पर बहस तीन दिसंबर को होगी। दोषियों को अधिकतम सात साल के कारावास की सजा हो सकती है। अदालत ने १९ अगस्त, २०१६ को गुप्ता के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने के आरोप सहित दो नौकरशाहों, कंपनी और उसके दो अधिकारियों पर भी आरोप तय कर दिये थे। इन सभी लोगों ने खुद का बचाव करते हुये दोषी नहीं माना और मुकदमे का सामना करने की बात कही। सभी आरोपी जमानत पर बाहर चल रहे थे। यह कहा गया, 'भारतीय दंड संहिता की धाराओं १२०-बी (आपराधिक षड्यंत्र), ४०९ (लोक सेवकों द्वारा आपराधिक विश्वासघात), ४२० (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए हैं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) की धारा १३ (१) (सी) और १३ (१) (डी) (लोकसेवकों द्वारा आपराधिक दुव्र्यवहार) के तहत सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किये गये हैं...।' इस मामले में सभी आरोपियों पर मुकदमा चलाया गया। हालांकि सीबीआई ने पहले इस मामले को बंद करने की रिपोर्ट दी थी जिसे अदालत ने खारिज करते हुये, जांच एजेंसी को मामले की और जांच करने के लिए कहा था। गुप्ता को पहले भी दो अन्य कोयला घोटाले, कमल स्पंज स्टील एंड पावर लिमिटेड (केएसएसपीएल) और विनी आयरन एंड स्टील उद्योग लिमिटेड (वीआईएसयूएल) से संबंधित मामलों में दोषी पाया था।

कांग्रेस का सीएम उम्मीदवार नहीं घोषित करना भाजपा के लिए फायदे का सौदा: शेखावत

पोखकरण , 30 नवम्बर। राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जहां भाजपा में फिर से सरकार बनने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं कांग्रेस का सीएम उम्मीदद्वारा घोषित नहीं करना भाजपा के लिए फायदें का सौदा हो सकता है। यह बात केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कही। शेखावत ने राजस्थान में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ जनता में नाराजगी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा होता तो कांग्रेस मुख्यमंत्री पद का कोई चेहरा पेश करने का साहस करती लेकिन वह ऐसा नहीं कर सकी जिसका भाजपा को लाभ मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी को लेकर कथित रूप से चल रही 'लड़ाई' से भाजपा को बहुत फायदा हुआ है। मुख्यमंत्री राजे के खिलाफ जनता में नाराजगी के सवाल पर शेखावत ने कहा, मैं इस बात को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करता कि मुख्यमंत्री को लेकर नाराजगी है। जिस तरह से उनकी सभाओं में भीड़ आ रही है उससे साफ है कि जनता उनके साथ है। पोकरण में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे भाजपा की राजस्थान चुनाव प्रचार समिति के संयोजक शेखावत ने बातचीत में कहा, अगर वसुंधरा जी के खिलाफ जनता में नाराजगी है तो कांग्रेस ने उनके खिलाफ कोई चेहरा पेश क्यों नहीं किया? कांग्रेस जानती है कि ऐसी स्थिति बिल्कुल नहीं है इसलिए वह कोई चेहरा पेश करने का साहस नहीं जुटा सकी। कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर टकराव की खबरों पर चुटकी लेते हुए शेखावत ने कहा, हम पहले से कहते आ रहे थे कि इनकी आपसी लड़ाई से हमें अतिरिक्त लाभ मिलेगा। टिकटों के बटवारे के बाद कांग्रेस में जिस तरह से सिर फुटव्वल हुई इससे इनकी लड़ाई सामने आ चुकी है। ये जनता के सामने बेनकाब हो गए।' शेखावत ने कहा, हम लोग चुनाव जीतने जा रहे हैं, इस लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। हमारी स्थिति रोजाना बेहतर होती जा रही है। जो स्थिति दो महीने पहले थी, वो एक महीने पहले नहीं थी और जो स्थिति एक महीने पहले थी वो आज नहीं है। अब हम बहुत अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने दुष्प्रचार के कारण भ्रम फैलाने की कोशिश की थी, लेकिन जब लोगों ने कांग्रेस की पुरानी सरकार और भाजपा की सरकार के कामों के बीच तुलना की तो पाया कि भाजपा बेहतर विकल्प है।' कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की राजस्थान में हो रही चुनावी सभाओं को 'निष्प्रभावी' करार देते हुए शेखावत ने कहा, 'राहुल अब तक जहां भी गए हैं उससे राजस्थान में बड़ा परिणाम देखने को मिलेगा। राहुल सबसे ज्यादा हार का विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और आगे प्रभाव पड़ना जारी रहेगा। शेखावत ने कहा, मोदी जी जहां भी सभाएं करते हैं उसका बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आने वाले समय में जब वह और सभाएं करने वाले हैं उसका हमें निश्चित तौर पर बहुत लाभ होने जा रहा है।

अयोध्या में राम मंदिर के लिए आरएसएस निकालेगा रथ यात्रा

नई दिल्ली , 30 नवम्बर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रथ यात्रा निकालने जा रहा है। लोकसभा चुनाव से पूर्व आरएसएस मंदिर के लिए जन समर्थन जुटाने की कवायद दिल्ली से शुरू होगी। इस रथयात्रा को 'संकल्प रथ यात्रा' नाम दिया गया है। नई दिल्ली से शुरूहोने वाली यह यात्रा १ दिसंबर से ९ दिसंबर तक पूरी दिल्ली में निकाली जाएगी। रथ यात्रा के आयोजन की जिम्मेदारी आरएसएस के संगठन स्वदेशी जागरण मंच को दी गई है। यात्रा की शुरुआत संघ के प्रांत संघचालक कुलभूषण आहूजा झंडेवालान मंदिर से करने वाले है। बता दें, विश्व हिंदू परिषद पहले से ही पूरे देश में जन समर्थन जुटाने में लगा है।

विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में अयोध्या में 'धर्म सभा' का आयोजन किया इसमें देशभर के संतों ने हिस्सा लिया था। धर्म सभा में अयोध्या में राम मंदिर बनाने की मांग उठाई गई थी। सरकार से मांग की गई थी कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए अध्यादेश लाया जाए। इसी दिन शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे भी अयोध्या पहुंचे थे। इस मौके पर अयोध्या में उद्धव ठाकरे ने मोदी सरकार पर निशाना लगाते हुए कहा था कि अगर राम मंदिर नहीं बना तो दोबारा भाजपा सरकार नहीं आएगी।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था विकास की डगर

रोजगारोन्मुख निर्माण क्षेत्र में 2019 की पहली तिमाही में 8.7 की वृद्धि रही। इसी प्रकार कृषि, वानिकी और मत्स्य क्षेत्र में इस अवधि में 5.3ब की वृद्धि से पता चलता है कि बीते कुछ वर्षो के दौरान कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सरकार ने ध्यान दिया है। उम्मीद है कि इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी के साथ निर्यात संबंधी ढांचागत सुधार और सामान ढुलाई क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से कह सकते हैं कि व्यापार घाटा और चालू खाता घाटा कम होगा। नतीजतन, विनिमय दर के समूचे परिदृश्य में स्थिरता आ सकेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष प्रमुखत: पांच बाह्य चुनौतियां हैं।

सतीश पेडणोकर

अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण समय है। बीते कुछ सालों में सरकार द्वारा लागू कायाकल्प कर देने वाले सुधारों के चलते अर्थव्यवस्था विकास की डगर पर सरपट दौड़ चली थी, लेकिन नियंतग्र पटल पर दरपेश चुनौतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष कड़ी चुनौती पेश कर दी है। खासकर बढ़ते व्यापार तथा चालू खाते के घाटे और वित्तीय एवं विदेशी विनिमय बाजारों के उतार-चढ़ाव ने वृहद् आर्थिक स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। ऐसे उपाय करने होंगे जिनसे बाहरी झटकों के प्रभाव से बचे रहते हुए अर्थव्यवस्था के घरेलू बुनियादी कारकों को मजबूत किया जा सके। बीते कुछ वर्षो के दौरान लागू सुधारों के प्रभाव दिखने लगे हैं। वित्तीय वर्ष 2019 की प्रथम तिमाही में जीडीपी में 8.2% की वृद्धि पुष्टि करती है कि अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2018 की चौथी तिमाही में यह आंकड़ा 7.7% दर्ज किया गया था। बीते चार सालों में कारोबारी सुगमता के लिहाज से जो सुधार किए गए उनसे विनिर्माण क्षेत्र के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। वित्तीय वर्ष 2019 की प्रथम तिमाही में इस क्षेत्र में 13.5% की वृद्धि दर्ज की गई। रोजगारोन्मुख निर्माण क्षेत्र में 2019 की पहली तिमाही में 8.7% की वृद्धि रही। इसी प्रकार कृषि, वानिकी और मत्स्य क्षेत्र में इस अवधि में 5.3% की वृद्धि से पता चलता है कि बीते कुछवर्षो के दौरान कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर सरकार ने ध्यान दिया है। उम्मीद है कि इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इसी के साथ निर्यात संबंधी ढांचागत सुधार और सामान ढुलाई क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से कह सकते हैं कि व्यापार घाटा और चालू खाता घाटा कम होगा। नतीजतन, विनिमय दर के समूचे परिदृश्य में स्थिरता आ सकेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष प्रमुखत: पांच बाह्य चुनौतियां हैं। ये हैं-1) कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय दामों में उछाल : यह भारत का प्रमुख आयात आइटम है। इसके दाम ज्यादा रहने से भारत का व्यापार घाटा बढ़ने पर है। चालू खाते का घाटा बढ़ रहा है, और ज्यादा महंगा होने से कारोबारी फर्मो की कच्चे माल पर लागत बढ़ गईहै। 2) चालू खाते का घाटा : निर्यात ठहर जाने से हमारा कारोबारी घाटा बढ़ता है, चालू खाते का घाटा बढ़ता है, और समग्र भुगतान संतुलन प्रभावित होता है। इसलिए इसमें जरा सा भी विचलन अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। 3) रुपये का अवमूल्यन : पूंजी का बाह्य प्रवाह विदेशी विनिमय बाजार पर प्रभाव डालता है। रुपये का अवमूल्यन होने से कारोबारियों और निवेशकों की धारणा कमजोर होती है, कारोबारी फर्मो में अनिश्चिता पसर जाती है, और वे जल्द फैसले करने से पीछे हटने लगती हैं। 4) व्यापार युद्ध : अमेरिका और चीन के बीच संरक्षणवाद और व्यापार युद्धका जो सिलसिला शुरू हो गया है उसके उभरतीं अर्थव्यवस्थाओं का कारोबारी परिदृश्य प्रभावित हो रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था भी इस घटनाक्रम से अछूती नहीं है। 5) भौगोलिक चुनौतियां : अमेरिका और उत्तर कोरिया के मध्य भौगोलिक तनाव (परमाणविक टकराव), अमेरिका-सऊदी-ईरान के बीच कटुता (अमेरिका द्वारा ईरान पर 5 नवम्बर, 2018 को लगाए गए प्रतिबंध समेत), रोहिंग्या संकट-म्यांमार और बांग्लादेश, अमेरिका-अफगानिस्तान (तालिबानी उग्रवाद) और रूस और नाटो सदस्यों के बीच टकराव जैसे घटनाक्रमों ने भौगोलिक चुनौतियां पेश कर दी हैं। हालांकि आखिरी दो चुनौतियां फिलहाल ज्यादा महत्त्वपूर्ण नहीं हैं, लेकिन पहली तीन चुनौतियां आने वाले समय में विमुद्रीकरण और जीएसटी के कार्यान्वयन के पश्चात पटरी पर लौटी हमारी अर्थव्यवस्था के भावी विकास पर विपरीत असर डाल सकती हैं। हालांकि विमुद्रीकरण और जीएसटी के कार्यान्वयन को लेकर अभी भी भ्रम की स्थिति है। लेकिन विनिर्माण क्षेत्रमें इन उपायों के सकारात्मक प्रभाव परिलक्षित होने लगे हैं। मौजूदा हालात में जरूरी हो गया है कि बाह्य चुनौतियों का समाधान करना जरूरी हो गया है। हालांकि इन चुनौतियों के अल्पकालिक असर को टाला तो नहीं जा सकेगा लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से मुस्तैद हुआ जा सकता है। इसके लिए हमारी रणनीति श्रमोन्मुख उत्पादों पर केंद्रित होनी चाहिए : 1) श्रमोन्मुख उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन देना होगा ताकि हमारा निर्यात बढ़ सके। इस उपाय से दो तरीकों से हमें फायदा हो सकेगा। अ) कारोबारी घाटे की स्थिति सुधरेगी; ब) विदेशी मुद्रा अर्जन बढ़ने से भारतीय मुद्रा में स्थिरता आ सकेगी। हम कृषि आधारित अर्थव्यवस्था हैं, और हमारा कृषि क्षेत्र दिनोंदिन सुधार की तस्वीर पेश कर रहा है। 2018-19 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) में इस क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वृद्धि से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मजबूती आ सकेगी। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र चूंकि श्रमोन्मुख है, इसलिए कुशल, अर्ध-कुशल तथा अकुशल श्रमबल के लिए ज्यादा से ज्यादा रोजगार अवसर पैदा हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि नियंतग्र कृषि एवं खाद्य आयात बाजार अनुमानत: 1300 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी मात्र 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। 2017-18 के हमारे हालिया आर्थिक सव्रे के मुताबिक, भारत की क्षमता विश्व कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य आयात बाजार में अपनी भागीदारी 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने की है। इसी प्रकार, कपड़ा एवं परिधान, चर्म एवं चर्म उत्पाद के साथ ही हथकरघा, हस्तशिल्प जैसे अन्य श्रमोन्मुख क्षेत्र भी हैं, जहां हम प्रयास करके अपनी अर्थव्यवस्था के लिए कुछ बेहतर कर सकते हैं। बीते दो दशकों में आईटी और आईटीई जैसे क्षेत्रों में भी भारत का प्रदर्शन उत्साहजनक रहा है। भारत इन क्षेत्रों में बेहतर कर सकता है। बीते कुछ वर्षो में भारत में कारोबारी माहौल बेहतर हुआ है। विश्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, कारोबारी सुगमता के लिहाज से भारत विश्व सूची में 190 देशों में 77वें पायदान पर पहुंच चुका है। संक्षेप में कह सकते हैं कि कपड़ा, हस्तशिल्प, आवासन और निर्माण क्षेत्रश्रमोन्मुख क्षेत्रों को प्रोत्साहन देकर कर हम अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं। फलस्वरूप, नित उभरती नियंतग्र चुनौतियों का सक्षमता के साथ मुकाबला कर सकते हैं। बाहर कारकों से अप्रभावित बने रह सकते हैं।

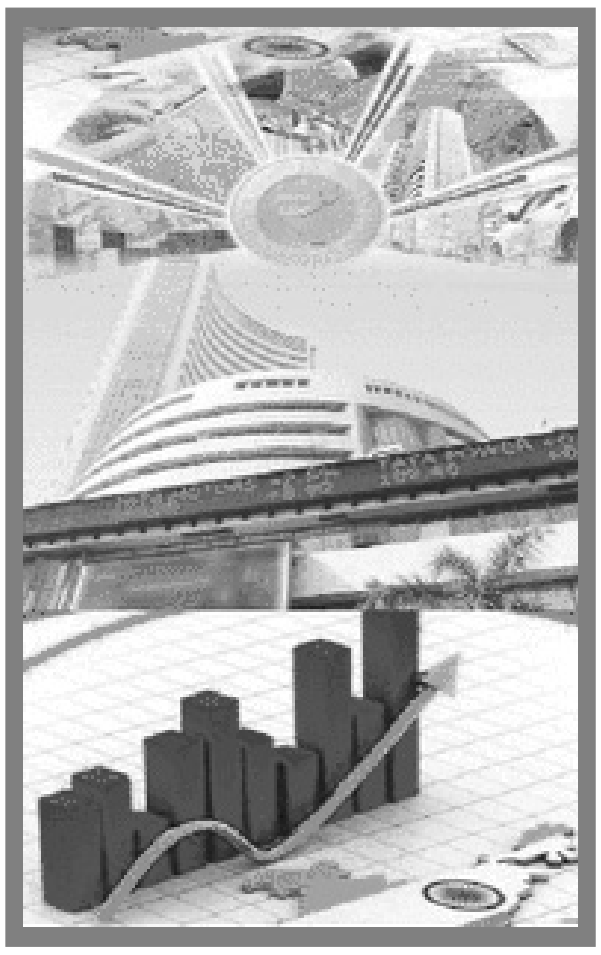

निर्माण का फैसला स्वागतयोग्य

मोदी सरकार द्वारा पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक से अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पाकिस्तान स्थित करतारपुर जाने के लिए एक विश्वस्तरीय गलियारे के निर्माण का फैसला स्वागतयोग्य है। सिख समुदाय की यह वर्षो पुरानी मांग थी। करतारपुर साहब ही वह जगह है, जहां गुरु नानक देव ने अपना अंतिम समय बिताया था तथा उनका अंतिम संस्कार भी वहीं हुआ था। इस नाते दुनिया भर के सिखों के लिए ही नहीं, हिन्दुओं के लिए भी इसका विशिष्ट धार्मिक महत्त्व है। आखिर उस समय तो सिख भी हिन्दू धर्मावलंबी ही माने जाते थे। करतारपुर साहिब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नरोवाल जिले में स्थित है और डेराबाबा से सीधे वहां पहुंचा जा सकता है। यह अच्छा हुआ कि पाकिस्तान ने भी भारत सरकार के अनुरोध को स्वीकारते हुए अपने क्षेत्र में भी गलियारा खोलने का निर्णय किया है। भारत में 26 नवम्बर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तथा पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह इसकी नींव रखेंगे तो पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान 28 नवम्बर को गुरु द्वारे के पास आयोजित कार्यक्रम में इसकी शुरुआत करेंगे। हालांकि पाकिस्तान ने इसका भी राजनीतिक उपयोग करने की कोशिश की। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने ट्वीट किया तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैजल ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से तो भारत को करतारपुर सहित सारे मामलों पर बातचीत का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन कोई जवाब ही नहीं मिला। वस्तुत: भारत ने पाकिस्तान से वहां जाने वाले तीर्थयात्रियों की पूर्ण सुरक्षा के साथ निर्बाध रूप से 24 घंटे आने-आने की इजाजत का भी अनुरोध किया है। चूंकि पाकिस्तान इसका कई तरीके से प्रचार कर सकता है इसलिए भारत का यह स्पष्टीकरण उचित है कि इसको किसी अन्य कूटनीतिक प्रगति के तौर पर न देखा जाए। करतारपुर के महत्त्व को देखते हुए पाकिस्तान को यह पहल काफी पहले करनी चाहिए थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल में इसकी मांग की थी। मनमोहन सिंह ने भी कई बार इसका अनुरोध किया। वीजा आदि की संख्या तो बढ़ी, लेकिन इधर से उधर जाने का रास्ता जो आम भारतीयों को वहां तक ले जा सकता है, वह नहीं खुला। खैर, देर आयद दुरुस्त आयद। उम्मीद करनी चाहिए कि दोनों देशों के संबंधों में उतार-चढ़ाव का शिकार करतारपुर नहीं होगा।

''अंदर की व्यवस्था'

सवरेच्च न्यायालय तक ''स्तब्ध' है! जेल में बंद रसूखवाले कैदियों के ठाठ-बाट के बारे में जान-सुन कर। वे लोग एलईडी टीवी, सोफा-सेट, कम्प्यूटर और प्रिंटर जैसे एशो-आराम के सामानों का उपभोग कर रहे हैं। कानूनन ये चीजें वहां प्रतिबंधित हैं। फिर भी लगभग 20 फीट ऊंची मजबूत दीवारों और तमाम निषेधात्मक लौह-फाटकों को पार कर विलासिता के ये साजो-सामान वहां पहुंच जा रहे हैं। निश्चित ही इनका कोई सप्लायर है/होता है, जो यह काम ''अंदर की व्यवस्था' को तय कीमत चुकाने के बाद ''अंदर' की इजाजत से करता है। सर्वोच्च अदालत को भले तिहाड़ के बारे में ही सूचना है, लेकिन यह तो देशकी प्राय: जेल की खुली सच्चाई है। सुविधा शुल्क अदा करने पर जेल का फाटक बांहें फैला कर स्वागत करता है और घर के आंगन का सकून देने लगता है। सख्त कारागार की फर्श सोफे की तरह मुलायम हो जाती है। ऐसे में जानकार लोगों को सर्वोच्च अदालत के अचरज पर ही अचरज होगा, जो जेल को नियम-कायदों या सुविधाओं की कानूनन समानता की पालना की जगह मान रही है। समरथों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि समय के इस-उस हिस्से में वह कहां है! वे जहां भी हों, अपनी पूंजी के बल पर अपने लिए विशेष वर्ग या समानान्तर व्यवस्था की गुंजाइशबना लेते हैं। जेलें भी इसकी अपवाद नहीं हैं। बिहार के शहाबुद्दीन का तो जेल में ही दरबार सज जाता था। रिश्वत पर आधारित यह जातिविहिन, दलविहिन और वर्गविहिन कोरी वास्तविकता है, जो पूरे देश पर राज करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस व्यवस्था को ही उधेड़ने के लिए न्यायाधीशों की एक कमेटी बनाई थी। जिसकी रपट पर ही वह मौजूदा चिंता जता रही थी। इसी रपट में जेल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की बात की गई है। जाहिर है कि यह सही प्रस्थान बिंदु हो सकता है। लेकिन इसको किसी एक जेल तक सीमित रखने से कोई हित नहीं सधेगा। देश की सभी जेलों में निरीक्षण करके कोई व्यवस्था बनानी होगी। इसके पहले भी इसी साल सितम्बर में उसने जेलों में सुधार पर सुझाव देने के लिए अवकाशप्राप्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पैनल बनाने का निर्देश दिया था। इसमें जेलों में कैदियों की भीड़ कम करने या खुली जेल जैसी व्यवस्था पर सोचना था। अब उसे अपनी चिंता के दायरे में जेल में भ्रष्ट आचरण से उत्पन्न असमानताओं और कानून से खिलवाड़ के बारे में भी सोचना होगा।

चलते चलते

सुझाव से सहमत

शहरों, रेलवे स्टेशनों, स्टेडियमों, सड़कों वगैरह के नाम बदलने में ही अटके रहने की भी जरूरत नहीं है। आखिर, छप्पन इंच की छाती किस लिए है? उसे हिम्मत दिखानी चाहिए। हर भारतवासी के लिए नाम के शुरू में राम लगाना कंपल्सरी कर देना चाहिए। समानता भी, एकता भी और सहूलियत भी।

हार्दिक पटेल के सुझाव से सहमत हैं। सरकार को किस्तों में नाम बदलने की जरूरत नहीं है। शहरों, रेलवे स्टेशनों, स्टेडियमों, सड़कों वगैरह के नाम बदलने में ही अटके रहने की भी जरूरत नहीं है। आखिर, छप्पन इंच की छाती किसलिए है? उसे हिम्मत दिखानी चाहिए। हर भारतवासी के लिए नाम के शुरू में राम लगाना कंपल्सरी कर देना चाहिए। समानता भी, एकता भी और सहूलियत भी। कौन कहता है कि नाम में कुछ नहीं रखा है! हम यह नहीं कह रहे कि सरकारों को शहरों वगैरह के नाम बदलने ही नहीं चाहिए। बेचारी सरकारों से ज्यादातर काम तो पहले ही लिए जा चुके हैं। शिक्षा-प्राइवेट। अस्पताल-प्राइवेट। आवास-प्राइवेट। कपड़ा-प्राइवेट। बस-प्राइवेट। हवाई यात्रा-प्राइवेट। उद्योग-धंधे-प्राइवेट। नौकरियां-प्राइवेट। बीमा-प्राइवेट। बैंक-प्राइवेट। टीवी-प्राइवेट। सिनेमा-प्राइवेट। अखबार-प्राइवेट। श्मशान-प्राइवेट। अब अगर नाम बदलने का काम भी उनसे ले लिया गया तो उनके करने को रह क्या जाएगा। इसलिए सरकारें खुशी से नाम बदलें। देश का नाम भी। हमारा कहना जब नाम बदले ही जा रहे हैं तो क्यों न इस तरह बदले जाएं कि नाम भी बदल जाएं और एकता भी बढ़ जाए। हर शहर, गांव, मुहल्ला, स्टेशन, अस्पताल, धर्मशाला, होटल, स्कूल, यूनिवर्सिटी, बाजार, मंदिर, मूर्ति वगैरह, वगैरह, सब का नाम राम के नाम से शुरू हो। वैसे भी जब सारी पब्लिक का नाम राम के नाम पर होगा तो शहरों वगैरह के नाम किसी और के नाम पर हों तो क्या अजीब नहीं लगेगा? अब कोई बहाना नहीं बनाए कि अगर सब राम के नाम से होगा तो कन्फ्यूजन हो जाएगा। कोई राम चोरी करेगा, कोई और पकड़ा जाएगा। टैक्नोलॉजी और आधार की मदद से आसानी से इसका हल निकाला जा सकता है। आगे राम, पीछे आधार। अभेद भी और भेद भी। सब राममय, फिर भी अलग-अलग। ऐसे ही शहरों वगैरह सबके राम के साथ आधार नम्बर जोड़ा जा सकता है। हमें यकीन है कि कोई भी सच्चा राष्ट्रवादी इसका विरोध नहीं करेगा। रामजादों से अलग होकर हरामजादा कौन बनना चाहेगा! कोई फिर भी नहीं माने तो पाकिस्तान भेजने का ऑप्शन तो है ही।

रिझाने का प्रयास

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख कमलनाथ ने विधानसभा चुनावों से पूर्व मुसलमानों को रिझाने का प्रयास करते हुए उनसे भारी संख्या में अपनी पार्टी को वोट देने की अपील की है। इसी प्रकार, ऑल इंडिया मजलिसे इत्तिहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के चीफ असदउद्दीन औवेसी ने भड़काऊ भाषण देते हुए तेलंगाना के मुसलमानों से अपनी पार्टी तथा तेलंगाना राष्ट्रीय समिति (टीआरएस) को वोट देने को कहा है। जमाते इस्लामी हिन्द ने भी टीआरएस को समर्थन देने की घोषणा की है। यद्यपि भारतीय संविधान और चुनाव आचार संहिता के अनुसार धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगना अपराध है परंतु दुर्भाग्यवश देश के अधिकांश राजनीतिक दल हिन्दू, मुसलमान, दलित और पिछड़ों के नाम पर वोटों की सियासत कर रहे हैं। मंदिर-मस्जिद पर राजनीति हो रही है। बैरिस्टर असदउद्दीन औवेसी ने कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाया है कि उसने अपने वरिष्ठ नेता व एडवोकेट कपिल सिब्बल को बाबरी मस्जिद का मुकदमा लड़ने से रोका। इसीलिए मुसलमान कांग्रेस को नहीं, बल्कि एआईएमआईएम और टीआरएस के उम्मीदवारों को वोट दें। पलटवार में कांग्रेस ने औवेसी को भाजपा का मददगार नेता करार दिया। उल्लेख उचित होगा कि स्वतंत्र भारत में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने अल्पसंख्यकों विशेष रूप से मुसलमानों को वोट बैंक के तौर पर ही इस्तेमाल किया। उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और जनसंघ/भाजपा का डर दिखाकर चुनावों में उनके वोट हासिल किए। हर चुनाव से पहले कथित सेक्युलर पार्टियों ने मुसलमानों से बड़े-बड़े वादे किए परंतु सत्ता में आने के बाद उन वादों को भुला दिया। यही कारण है कि मुसलमान आर्थिक, शैक्षिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में पिछड़ता चला गया। मेरठ के हाशिमपुरा और मलियाना में पीएसी द्वारा अनेक मुस्लिम युवकों की बर्बरतापूर्ण हत्या तब की गई जब केंद्र और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकारें थीं। इसी तरह बिहार में भागलपुर का भीषण सांप्रदायिक दंगा भी कांग्रेस राज में ही हुआ था, उसके दोषियों को सजा दिलाने पर मुसलमानों ने भाजपा समर्थित नीतीश कुमार को तो वोट दिया परंतु कांग्रेस से दूर हो गए। दिल्ली में भी कांग्रेस राज में बटला हाउस एनकाउंटर के बाद ज्यादातर मुस्लिमों ने कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी का साथ दिया। आज मुसलमान कांगेस का बंधुआ वोटर नहीं है। 2014 के लोक सभा चुनाव में 13 प्रतिशत मुस्लिम वोटरों ने भाजपा को वोट दिया था। पुराने भोपाल और ओल्ड हैदराबाद के अनेक क्षेत्रों में मुस्लिम वोटर बहुसंख्यक हैं। अतएव राजनीतिक दल उन्हें रिझाने में लगे हैं। औवेसी जैसे नेता उन्हें दीन-धर्म के नाम पर भड़का भी रहे हैं। मध्य प्रदेश और तेलंगाना में मुस्लिम मतदाता किस दल के साथ जाएगा और किससे दूरी बनाएगा, यह तो 11 दिसम्बर के नतीजे ही बतलाएंगे। यद्यपि कहा जाता है कि मुस्लिम वोट इकतरफा पड़ता है यानी किसी एक पार्टी को मिलता है परंतु ऐसा नहीं है। भारतीय मुसलमान भी जातियों और मसलकों (उपसंप्रदाय) में विभाजित हैं। इसलिए एक मुस्लिम जाति यदि कांग्रेस के साथ है, तो दूसरी जाति सपा या बसपा के साथ। शिया एक पार्टी को वोट देते हैं, तो सुन्नी दूसरी पार्टी को। लेकिन धर्म और जाति के नाम वोट मांगना हर हाल में अनुचित है, और राजनीतिक दलों और नेताओं को ऐसा नहीं करना चाहिए। आशा है कि मुस्लिम मतदाता किसी पार्टी के चुनावी जाल में फंसकर नहीं, बल्कि अपने विवेक से वोट देंगे।

सत्संग

भाग्यशाली

इतनी उलझन महसूस कर रहा हूं। क्या अच्छा, क्या बुरा, कुछ समझ में नहीं आता। जब भी इस तरह पहचान का संकट उत्पन्न हो जाए, जब भी व्यक्ति जान न पाए कि वह कौन है, जब भी अतीत की पकड़ ढीली पड़ जाए, जब भी व्यक्ति की परंपरागत जड़ें उखड़ जाएं, जब अतीत प्रासंगिक न रह जाए, यह संकट उत्पन्न हो, पहचान का महा संकट-हम कौन हैं? हमें क्या करना चाहिए? यह सौभाग्य का अवसर अभिशाप में भी बदल सकता है, यदि तुम भाग्यशाली रहे कि तुम किसी बुद्ध के प्रेम में पड़ सके तो तुम्हारा जीवन रूपांतरित हो सकता है। जो लोग अभी भी परंपरा के जाल में उलझे हैं, और समझते हैं कि वे जानते हैं कि सही क्या है और गलत क्या है, वे कभी भी बुद्ध के पास नहीं आ पाएंगे। वे अपने ढंग से जीना जारी रखेंगे- सामान्य, सुस्त और मरा-मरा सा जीवन। वे अपना रोजमर्रा का काम करने में ही अपना जीवन बिता देंगे जैसा उनके पूर्वज करते रहे हैं। सदियों से वे एक घिसी-पिटी लकीर पर चलते रहें हैं और वे उसी सड़ी हुई लकीर पर चलते रहेंगे। वास्तव में जब तुम किसी पुरानी घिसी-पिटी लकीर पर चलते हो, तुम निश्चिन्त महसूस करते हो - कि इस रास्ते पर बहुत लोग चल चुके हैं। लेकिन जब किसी बुद्ध के पास आते हो और अज्ञात में यात्रा शुरू करते हो, वहां कोई राजपथ नहीं होता, कोई पिटी-पिटाई लकीर नहीं होती। तुम्हें चल कर अपना पथ स्वयं निर्मित करना होता है; कोई पूर्व-निर्मित पथ नहीं पाया जा सकता। मैं तुम्हें तुम्हारी ही तरह चलने के लिए प्रोत्साहन दे सकता हूं, तुम्हारे भीतर खोज की एक प्रक्रिया को तेज कर सकता हूं, परंतु मैं तुम्हें कोई विचार की विधि नहीं दूंगा, मैं तुम्हें कोई आश्वासन नहीं दूंगा। मैं तुम्हें एक तीर्थ-यात्रा का निमंत्रण.. जो अत्यंत खतरनाक है, एक तीर्थ-यात्रा जिसमें लाखों तरह के नुकसान की संभावनाएं हैं, एक तीर्थ-यात्रा जहां तुम्हें दिन-प्रतिदिन अधिक से अधिक खतरों का सामना करना पड़ेगा, एक तीर्थ-यात्रा जो तुम्हें मनुष्य-चेतना के उच्चतम शिखर, तुरीय-अवस्था तक ले जाएगी। लेकिन तुम जितनी ऊंचाई पर चढ़ते हो, उतना ही नीचे गिरने का खतरा भी बना रहता है।

फोटोग्राफी...

अमेरिका के शिकागो शहर में थैंक्स गिविंग परेड में शिरकत करते कलाकार और उन्हें देखने के लिए जुटी हजारों लोगों की भीड़।

सार समाचार

उत्तर कोरिया के लिए जासूसी के आरोप में फ्रांस का अधिकारी हिरासत में

पेरिस। फ्रांस के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बेनॉ क्रेनेडी को उत्तर कोरिया के लिए जासूसी करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। न्यायिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फ्रांस की संसद के ऊपरी सदन सीनेट के वरिष्ठ अधिकारी क्रेनेडी को रविवार को हिरासत में लिया गया। वह फ्रैंको-कोरियन फ्रेंडशिप एसोसिएशन के भी अध्यक्ष हैं। न्यायिक सूत्रों का कहना है कि उनके देश से बाहर जाने या सीनेट में काम करने पर रोक लगा दी गई है। क्रेनेडी को फिलहाल फ्रांस की घरेलू खुफिया एजेंसी डीजीएसआई के मुख्यालय में रखा गया है। क्रेनेडी के प्रकाशक की वेबसाइट डेल्गा के अनुसार उन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप की काफी यात्रा की है। यूट्यूब पर अपलोड एक वीडियो में वह कोरिया को 'विकास का मॉडल' भी बताते हैं। वह 2007 से फ्रैंको-कोरियन फ्रेंडशिप एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। इसका गठन 1960 में उन पत्रकारों ने किया था जो सामाजिक और वामपंथी ध्येय के प्रति सहानुभूति रखते थे। यह संगठन प्योंगयांग के साथ करीबी संबंध और विभाजित कोरिया के एकीकरण की बात करता है।

अमेरिका ने करतारपुर गलियारे के निर्माण का स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की कोशिशों का स्वागत किया है। अमेरिका का ये बयान हाल ही में दोनों पड़ोसी देशों के बीच करतारपुर गलियारे की आधाशिला रखे जाने के संदर्भ में आया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता रॉबर्ट पैलाडिनो ने संवाददाताओं को बताया, 'हम करतारपुर गलियारे की खबरों से वाकिफ हैं। इससे भारतीयों को पाकिस्तान स्थित सिख धार्मिक स्थल पर बिना वीजा के जाने की अनुमति मिलेगी। हम इसका स्वागत करते हैं।' करतारपुर गलियारा पाकिस्तान के करतारपुर में स्थित दरबार साहिब (कहा जाता है कि गुरु नानक ने यहीं अंतिम सांसें ली थीं) को भारत के पंजाब में गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक तीर्थस्थल से जोड़ेगा। भारत ने पाकिस्तान के सामने 20 साल पहले करतारपुर कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसका निर्माण कार्य छह महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। भारत से हजारों सिख श्रद्धालु हर साल गुरू नानक की जयंती मनाने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

करतारपुर पर पाकिस्तानी विदेश मंत्री बोले- 'इमरान खान की 'गुगली' में फंसा भारत'

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

करतारपुर कॉरिडोर की नींव रखने के मौके पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाने की बात कही थी, लेकिन अगले ही दिन वहां के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपने बयान से असलियत बयां कर दी है. इमरान की सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि करतारपुर कार्यक्रम दरअसल, इमरान खान की गुगली थी. खास बात यह है कि जब कुरैशी यह बोल रहे थे तो इमरान कार्यक्रम में सबसे आगे बैठे उन्हें सुन रहे थे.

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने गुरुवार को कहा कि ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे के शिलान्यास कार्यक्रम में भारतीय सरकार की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक 'गुगली' फेंकी. कुरैशी की यह टिप्पणी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के एक दिन पहले दिए गए बयान पर आई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय वार्ता को फिर से शुरू करने की संभावना को स्पष्ट रूप से यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि पाकिस्तान जब तक भारत के खिलाफ सीमा-पार से अंजाम दी जाने वाली आतंकवादी गतिविधियों को नहीं रोकता तब तक बातचीत संभव नहीं है.

पाकिस्तान ने इससे पहले बुधवार के कार्यक्रम में स्वराज को भी आमंत्रित किया था. लेकिन स्वराज ने पूर्व प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए करतारपुर साहिब आने में असमर्थता जताई थी. इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रियों - हरसिमरत कौर बादल और हरदीप सिंह पुरी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था.

कुरैशी ने कहा कि करतारपुर सीमा का खुलना क्रिकेटर से नेता बने खान की सरकार की एक ÷बड़ी उपलब्धि÷ है. गुरुवार को खान नीत सरकार ने आम चुनावों को जीतने के बाद से अपने शुरुआती 100 दिन पूरे कर लिए. कुरैशी ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'इमरान ने एक गुगली डाली और भारत ने दो मंत्रियों को पाकिस्तान भेज दिया.'

इमरान ने करतारपुर में कश्मीर का जिक्र किया, भारत ने जताया कड़ा एतराज

भारत ने बुधवार को करतारपुर कॉरिडोर समारोह में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर कड़ा एतराज जताया है और कहा कि यह 'अनुचित' था और उन्होंने इस पवित्र अवसर का राजनीतिकरण करने का काम किया. भारत ने यह भी कहा कि जम्मू एवं कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह काफी खेदजनक है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने इस पवित्र अवसर का प्रयोग राजनीतिकरण करने के लिए किया. सिख समुदाय की लंबित मांग करतारपुर कॉरिडोर के समारोह में जम्मू एवं कश्मीर का अनुचित संदर्भ दिया गया, जोकि भारत का अभिन्न अंग है.'

प्रवक्ता ने कहा, 'पाकिस्तान को यह याद रखना चाहिए कि वह अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को अवश्य पूरा करे और अपनी सीमाओं के अंदर हर तरह के आतंकवाद को बढ़ावा और पनाह देना बंद करे.'

फोर्ब्स की टॉप-50 महिलाओं में भारतीय मूल की 4 महिलाएं शामिल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

फोर्ब्स ने अमेरिका में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज 50 महिलाओं की एक सूची जारी की है। इसमें चार महिलाएं भारतीय मूल की हैं। इस सूची में आईबीएम की मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिनी रोमेटी और नेटफ्लिक्स की कार्यकारी एनी एरोन शामिल हैं। सूची में सिस्को की पूर्व मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी पद्मश्री वारियर, उबर की वरिष्ठ निदेशक कोमल मंगतानी, कोंफ्लूएंट की सह-संस्थापक और मुख्य तकनीकी अधिकारी नेहा नारखेड़े, पहचान प्रबंधन कंपनी ड्राब्रिज की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कामाक्षी शिवराम कृष्णन शामिल हैं।

फोर्ब्स ने 'अमेरिका की 2018 में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शीर्ष 50 महिलाओं' की सूची में कहा कि महिलाएं भविष्य का इंतजार नहीं करती। प्रौद्योगिकी में 2018 की शीर्ष 50 महिलाओं की आरंभिक सूची में तीन पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व दिखता है जो एक दशक से भी अधिक समय से दुनियाभर में तकनीक के क्षेत्र में आगे हैं। वारियर ने मोटोरोला और सिस्को दोनों में अहम भूमिका निभायी। अब वह चीनी स्टार्टअप कंपनी एनआईओ की अमेरिकी प्रमुख हैं। मंगतानी, गुजरात के धर्मसिंह देसाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की पूर्व छात्र हैं और अभी उबर के कारोबारी आसूचना विभाग की प्रमुख हैं। नारखेडे, ने पुणे विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है।

वह लिंक्डइन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं और उन्होंने अपाचे काफका को विकसित करने में अहम भागीदारी निभायी। उन्होंने अपने लिंक्डइन के एक सहयोगी के साथ कोंफ्लूएंट की स्थापना की जो डाटा आकलन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है। इसके ग्राहकों में गोल्डमैन साक्स, नेटफ्लिक्स और उबर जैसी कंपनियां शामिल हैं। वहीं शिवरामकृष्णन की कंपनी ड्राब्रिज बड़े स्तर पर कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) और मशीन लर्निंग का उपयोग करती है, यह कई डिवाइस के लोगों की पहचान सुनिश्चित करने में सक्षम है।

जी-20 : पुतिन को शर्मिंदा करने की यूक्रेन की योजना नाकाम

यूनस आयर्स (एजेंसी)।

जी-20 सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शर्मिंदा करने की यूक्रेन सरकार की योजना गुरुवार को नाकाम हो गई जब अर्जेंटीना की एक कंपनी ने बैठक के बाहर पुतिन के विरोध में पोस्टर लगाने से इनकार कर दिया। यूक्रेन रविवार को क्रीमिया के कर्च जलडमरूमध्य में अपने तीन जहाजों को जब्त करने और 24 नाविकों को हिरासत में लेने की वजह से रूस से सख्त नाराज है। यूक्रेन की उप सूचना मंत्री एमिनी जैपेरोवा ने ब्यूनस आयर्स में संवाददाताओं को बताया कि ऐसा करने का मकसद नाविकों को रिहा कराना था। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली मुकालात से यूक्रेनी कैदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।' उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको की उस अपील को भी दोहराया जिसमें उन्होंने रूस के खिलाफ ताकत दिखाने के लिए नाटो से इस इलाके में जहाज भेजने के लिए कहा था।

रूस से सौदे को लेकर मैंने कांग्रेस से झूठ बोला- ट्रंप के पूर्व वकील

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन ने एक याचिका में कबूल किया है, कि 2016 में रिपब्लिकन पार्टी के चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप के कहने पर रूस में रियल एस्टेट सौदे को लेकर उन्होंने कांग्रेस से झूठ बोला था। उन्होंने कहा कि ट्रंप के ÷राजनीतिक संदेश÷ के तहत उन्होंने ये झूठ बोला।

याचिका समझौते के मुताबिक अभियोजकों का मानना है कि ट्रंप ने पूरे अभियान में बार-बार जोर दिया कि रूस में उनका कोई व्यापारिक सौदा नहीं है, लेकिन ट्रंप के वकील उनके राष्ट्रपति उम्मीदवार चुने जाने से हफ्तों पहले ही ट्रंप टावर मॉस्को परियोजना शुरू कर चुके थे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूस की भूमिका की जांच कर रहे विशेष वकील रॉबर्ट मूलर की ओर से दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक कोहेन ने कहा कि उन्होंने प्रस्ताव को लेकर कई मौकों पर ट्रंप के परिवार से चर्चा की। कोहेन ने इस परियोजना के लिये मॉस्को का दौरा करने पर भी विचार किया था।

जी-20 सम्मेलन में बोले पीएम मोदी, योग के जरिए गहरी हो रही भारत-अर्जेंटीना की दोस्ती

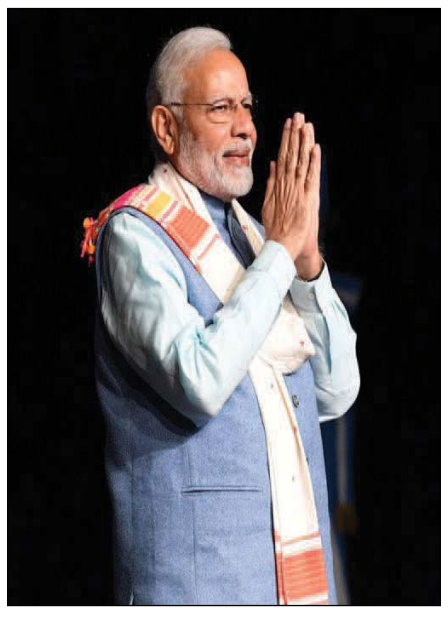

यनूस आयर्स (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि योग अर्जेंटीना और भारत के बीच विशाल दूरी को पाट रहा है और दोनों देशों के लोगों को जोड़ रहा है. एक योग कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि योग स्वास्थ्य और शांति के लिये भारत की ओर से दुनिया को तोहफा है. प्रधानमंत्री ने हिंदी में कहा, ''मैं 24 घंटे से ज्यादा समय में 15000 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करके महज कुछ घंटे पहले यहां पहुंचा हूं. आपके प्रेम और उत्साह की वजह से मैं महसूस कर रहा हूं कि मैं भारत के बाहर नहीं हूं.''

कार्यक्रम के आयोजकों ने की पीएम मोदी की तारीफ

'योग फॉर पीस' कार्यक्रम के आयोजकों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इससे बेहतर नाम के बारे में सोचना मुश्किल है. उन्होंने कहा, ''योग आपके शरीर और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखता है. यह आपके शरीर को मजबूत बनाता है और आपके मस्तिष्क को शांत रखता है.''

उन्होंने कहा कि अगर दिमाग शांत होगा तो परिवार, समाज, देश और दुनिया में भी शांति रहेगी. उन्होंने कहा, ''योग स्वास्थ्य, तंदरुस्ती और शांति के लिये भारत की ओर से दुनिया को तोहफा है. यह तंदरुस्ती और खुशी से हमें जोड़ता है.''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''योग भारत और अर्जेंटीना के बीच विशाल दूरी को पाट रहा है. यह दोनों देशों और उनके लोगों को जोड़ रहा है.'' उन्होंने कहा कि जहां अर्जेंटीना की भारत की कला, संगीत और नृत्य में गहरी दिलचस्पी है, वहीं हमारे देश में अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ियों के लाखों प्रशंसक हैं. माराडोना का नाम हमारी दैनिक बातचीत का हिस्सा बन गया है.

उन्होंने ओडिशा में चल रहे हॉकी विश्व कप के पहले मैच में जीत के लिये अर्जेंटीना की हॉकी टीम को भी बधाई दी. उन्होंने कहा, ''यह हमारे लिये गर्व और खुशी की बात है कि अर्जेंटीना जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है. वैश्विक अर्थव्यवस्था, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन और भगोड़े आर्थिक अपराधियों जैसे मुद्दों पर शिखर सम्मेलन के दौरान चर्चा होगी. ये न सिर्फ भारत और अर्जेंटीना बल्कि समूची दुनिया के हित में हैं.''

चीन मुस्लिमों के घर में भेज रहा है अपने जासूस, खाने-पीने और बेडरूम तक पर नजर

इस्तांबुल (एजेंसी)।

चीन की सरकार वहां रहने वाले उइगर समुदाय के लोगों पर बहुत नजदीकी से निगाह रखने के लिए भावनात्मक हथकंडे तक अपनाने में नहीं हिचक रही है. यहां रह रही हलमुरात इदरीस के पास एक फोटोग्राफ है, जिसमें उसकी 39 साल की बहन के साथ एक उम्रदराज महिला भी खड़ी है, जिसे वो नहीं जानती कि वह कौन है. इस फोटोग्राफ में उसकी बहन में नीचे की तरफ लिखा है, 'देखिए, मुझे एक चीनी हान मां मिल गई है.' हान चीन का एक समुदाय है.

इदरीस, फोटोग्राफ में दिख रही महिला पर शक जाहिर करती हुई कहतीं हैं कि यह बूढ़ी महिला कोई और नहीं बल्कि एक जासूस है, जिसे चीन सरकार ने भेजा है ताकि वह उसके परिवार में घुसकर जानकारियां हासिल कर सकें. उसके जैसे कई और लोग चीनी सरकार ने इस समदुाय में भेज दिये हैं.

इसकी पुष्टि सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के आधिकारिक समाचारपत्र में भी यह कह कर की गई है कि सितम्बर के अंत तक 11 लाख सरकार के कर्मचारियों को अल्पसंख्यकों के शयनकक्षों, खाना खाने की जगहों और मुस्लिम पूजास्थलों में भेज दिया दिया गया है. शादी, शवयात्रा और अन्य अवसर जो निजी समझे जाते हैं उनमें तक उनका प्रवेश करा दिया गया है.

यह सब चीन के सुदरवर्ती पश्चिमी क्षेत्र शिनजियांग में हो रहा है. यह इलाका मुस्लिम बहुल है और ये लोग तुर्की भाषी उइगूर समुदाय के हैं. ऐसी खबरें अक्सर आती हैं कि चीन सरकार इस समुदाय के साथ भेदभाव बरत रही है.

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के शासनकाल में उइगर पर कड़ी निगाह रखी जा रही है. सड़कों के नाकों पर संगीनधारी तैनात हैं और उनके पास चेहरे की पहचान करने में सक्षम सीसीटीवी उपकरण हैं. उइगर समुदाय के लोगों का कहना है कि उन्हें अपने घरों के भीतर भी सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की तेज निगाहों के सामने रहना होगा.

पुतिन के साथ वार्ता रद्द करने के ट्रंप के फैसले पर रूस को अफसोस

मॉस्को (एजेंसी)।

क्रेमलिन ने कहा कि जी 20 शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता रद्द करने का अमेरिका के राष्ट्रीय डोनाल्ड ट्रंप का फैसला अफसोसजनक है। पुतिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने रूसी समाचार एजेंसियों को बताया, ''हमें अफसोस है कि अमेरिकी प्रशासन ने बातचीत रद्द कर दी।'' उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय एवं द्विपक्षीय एजेंडा को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा अनिश्चितकाल के लिये टल जायेगी।'' उन्होंने कहा, ''पुतिन अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ संपर्क करने के लिये तैयार हैं।''

पिछले सप्ताह तीन यूक्रेनी जहाजों को जब्त किये जाने और यूक्रेनी नाविकों के समूह को हिरासत में रखे जाने के मुद्दे पर ट्रंप ने बृहस्पतिवार को रूस के साथ बातचीत रद्द कर दी थी। दोनों नेता ब्यूनस आयर्स में आयोजित हो रहे जी 20 शिखर सम्मेलन में शनिवार को द्विपक्षीय वार्ता करने वाले थे।

आगम आर्केट आगजनी मामले में दोनों ट्यूशन संचालक गिरफ्तार

सूरत। शहर के वेसू क्षेत्र स्थित आगम आर्केट में सोमवार की शाम शार्ट सर्किट से लगी आग की घटना में उमरा पुलिस ने ट्यूशन क्लास के संचालक विवेक मिश्रा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में हाजिर करने केबाद पुलिस द्वारा कोर्ट से रिमांड न मांगने पर कोर्ट ने दोनों को लाजपोर जेल में भेज दिया। इस दौरान बचाव पक्ष के वकील कैतन रेशमवाला तथा जीमी काटवाला कोर्ट में मौजूद रहे।

गौरतलब है कि वेसू स्थित आगम आर्केट की पहली मंजिल पर शार्ट सर्कीट के कारण आग लग गई थी। आग की लपटे दूसरी तथा तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। जहां क्यूरियस मांइड एकेडमी ट्यूशन क्लास के विद्यार्थी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आने से मंथन यादव तथा ट्यूशन टीचल प्रीति बेन पटेल की दर्दनाक मौद हो गई। जिसके बाद उमरा पुलिस ने ट्यूशन संचालक विवेक मिश्रा तथा उसके पार्टनर प्रभात सिंह ठाकुर प्रसाद की आई.पी.सी की धारा 304, 308 तथा 114 के अनुसार गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। पुलिस द्वारा रिमांड न ामंग जाने पर कोर्ट ने दोनों आरोपियो ंको न्यायिक हिरासत में लेने का हुक्म दिया।

विदित हो कि आगजनी तथा दुर्घटनाओं के ज्यादातर मामलों का सबसे बड़ा कारण लापरवाही मानी जाती है। यदि समय रहते लापरवाही नहीं बरती गई होती तो इस प्रकार की दुर्घटना को टाला जा सकता था। इस मामले में पुलिस द्वारा कार्रवआई किए जाने से लापरवाही कनरे वालों में भय उत्पन्न होगा। पुलिस को चाहिए कि आरोपियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने के साथ आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। इस दुर्घटना में जिनके प्राण गए वे वापस तो नहीं आ सकते परन्तु इससे सबक लेनी चाहिए।

इंग्लिस मीडियम के नाम पर अभिभावकों को लूट रहे स्कूल संचालक

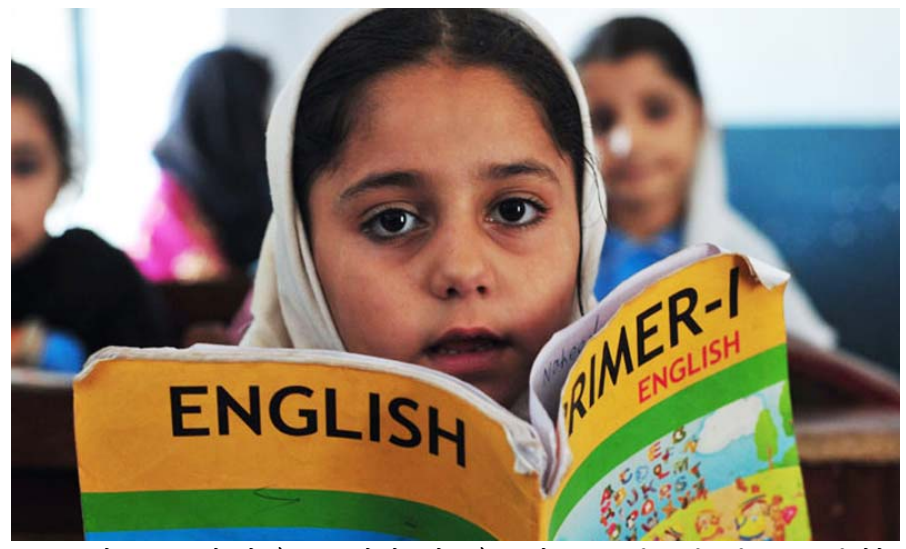

सूरत। एक तरह शिक्ष का अधिकारि कानून के तहत 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा का कानून बनाया गया है। वहीं दूसरी तरफ सरकार के लचर नीतियों के चलते प्राइवेट स्कूल के संचालक शिक्षा के नाम पर अभिभावकों को लूट रेह है। शहर के ज्यादातर क्षमजीवी इलाकों में 10/10 वर्ग फूट के कमरे में स्कूल चल रहा है। जहां न तो बच्चों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था है और न ही पर्याप्त संख्या में शौचालय। परन्तु शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के रहमों करम से ये स्कूल खुब फल फूल रहे है। सूत्रों की माने तो स्कूलों की मान्यता के लिए जिन मापदंडों का होना अनिवार्य है उन मापदंडों में से किसी का भी पालन नहीं हो रहा है। इंग्रिलस मीडियम के नाम पर इन स्कूलों के संचालकों द्वारा मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है। आलम यह है कि 2 से 3 साल में संचालक इतनी मोटी कमाई कर ले रहे है कि बड़ी-बड़ी गाडिया तक रखने लगे है। इन स्कूलों में एक तरफ जहां इंग्लिस मीडिया के नाम से फीस की मोटी रकम वसूली जा रही है वही ंदूसरी तरफ इन स्कूलों में अच्छे अध्यापक/अधायापिकाओं का घोर अभाव है। कम से कम वेतन पर जो शिक्षक/शिक्षिकां यहा पढाते है वे न तो इतने क्वालीफाईड है कि इंग्लिस मीडियम के बच्चों को अच्छी तरह पढा सके। ऐसे में अभिभावक न केवल इन स्कूलों द्वारा लूट के शिकार हो रहे है बल्कि उनके बच्चों का भविष्य भी अंधकार मय होता जा रहा है। शासन प्रशासन को चाहिए कि इस विषय की गंभीरता को समझते हुए उचित कदम उठाए। जिससे देश के नौनिहालों का भविष्य न खराब हो। इतना ही नहीं गुजरात सरकार द्वारा निर्धारित अधितम शिक्षण शुल्क के कई गुना ये स्कूल अभिभावकों से वसूल रहे है और वसूले गए फीस की रसीद तक नहीं देते। शहर के गोडादरा क्षेत्र स्थित ऐसे कई स्कूल हे जिनमें नियमों को ताक पर रखकर विद्यार्थियों से सालाना 45000 रुपए से अधिक की वसूली की जा रही है।

हाथी के दांत साबित हो रहे फायर फाइटिंग सिस्टम

सूरत। सूरत महानगर पालिका द्वारा निर्मित मुख्यमंत्री आवास योजना अन्तगर्त बने ई.डब्लू.एस. तथा एल.आई. जी आवासों में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम हाथी के दांत साबित हो रहे है।

शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में बने हाई राईज अपार्टमेंटों में लगे उपकरण सिर्फ दिखावा मात्र रह गए है। आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के लोगों के सस्ते मकान का प्रलोभन देकर मनपा ने जो व्यवस्था दे रखी है वे वक्त पर नाकाम साबित हो रहे है। इन आवासों में रहने वाले लोगों का कहाना है कि यहां लगे फायर फाइटिंग के उपकरणों का उपयोग आपातकाल की स्थिति में कैसे करे इस बात की जानकारी किसी को नहीं है। इन आवासों में लगे फायर फाइंटिंग सिस्टम वक्त पर काम आएंगे या नहीं इस बात की आशंका लोगों को सता रही है। हाल ही में वेसू के आगम आर्केट में आगजनी की घटना में हुई दो लोगों की मौत से हाईराइज अपार्टमेटों में रहने वाले लोग डरे सहमें हुए है। जिसे प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए।

सूरत के दलालों की मदद से

मुंबई के व्यापारियों ने की 53.83 लाख की ठगी

सूरत। सूरत के दो कपड़ा दलालों के साथ मिलकर मुबंई के दो व्यापारियों ने सूरत के 7 व्यापारियों से 53.83 लाख रुपये का माल खरीदकर दुकान बंद कर फरार हो गए। जिसके विरुद्ध सूरत के व्यापारियों ने सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में ठगी की शिकायत दर्ज कराया है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिंग रोड़ स्थित श्री साई राम मार्केट में केतन फैब टेक्स नाम से प्रतिष्ठान चलाने वाले हेमेन्द्र गौतमभाई बागरेचा ने आरोपी अल्पेश शाह, विशाल ब्रह्मभट्ट (महालक्ष्मी इंटरप्राईज, मुबंई) ने कपड़ा दलाल रवि ताराचन्द कटनानी (पीपलोद रायल आर्केट), जितेन जैन उर्फ जितेन्द्र नरवतमल (अडाजन किल्लोल फ्लैट) के विरुद्ध सिखयात दर्ज कराया है। जिसमें कहा गया है कि आरोपियों ने एक दूसरे के साथ सांठ गांठ कर फरीयादी हेमेन्द्रभाई, श्रीकुमार कैलाश मारु, निशांत भवानी शंकर अग्रवाल, प्रमोद कुमार रतनमांगा, खीमजी ठाकरसी बघाणी, रोहित कुमार मनसुखलाल शाह, कपील सुरेन्द्र ओबराय के पास से 60 दिनों में भुगतान करने का भरोसा देकर कुल 53.83,542 रुपये कीमत के कपड़े का जत्था खरीदा था। आरोपियों ने उधार में खरेदे गए कपड़ों की कीमत निर्धारित समय में चुकाए बिना दुकान बंद कर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध शिकायत दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

लालदरवाजा पटेल नगर में तीसेर दिन भी जारी रही डिमोलेश की कार्रवाई

सूरत। शहर के कतारगाम जोन क्षेत्र स्थित लाल दरवाजा के निकट पटेल नगर में शुक्रवार को तीसरे दिन भी डिमोलेशन की कार्रवाई जारी रही। दोपहर तक रिहायसी मकानों को तोड़ने के बाद कामर्शियल निर्माणों को तोडने की कार्रवाई की गई। कतारगाम में कार्यपालक इंजीनियर आर.वी.गामित ने बताया कि लाल दरवाजा पटेल नगर में लगभग 700 कच्चे पक्के मकान का डिमोलेशन किया जाना है। मनपा की जमीन पर निर्मित इन मकानों को तोडकर यहां पर मनपा के कई प्रकल्पों का निर्माण किया जाएगा। तीसेर दिन भी चुस्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच डिमोलेशन की कार्रवाई की गई। पिछले तीन दिनों में 200 से अधिक मकानों का डिमोलेशन की कार्रवाई में प्रभावित परिवारों में से 460 परिवारों का वैकल्पिक आवास दी जा चुकी है। बाकी लोगों के लिए वैकल्पिक आवास हेतु फार्म भरने की प्रक्रिया जारी है।

यशवंतपुर-जयपुर सुविधा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन वाया वसई रोड के फेरे पुन: विस्तारित

सूरत। यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ के मद्देनज़र रेलवे द्वारा ट्रेन नं. 82653/82654 यशवंतपुर-जयपुर सुविधा सुपरफास्ट एक्सप्रेस वाया वसई रोड को 7 फरवरी 2019 से 27 जुलाई 2019 तक पुन: विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मु य जनस पर्क अधिकारी श्री रविंद्र भाकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन सं. 82653 यशवंतपुर-जयपुर सुविधा सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को यशवंतपुर से 11.30 बजे प्रस्थान करती है और शुक्रवार को 12.10 बजे वसई रोड पहुँचकर शनिवार को 06.35 बजे जयपुर पहुँचती है।

इसी प्रकार वापसी में ट्रेन सं. 82654 जयपुर-यशवंतपुर सुविधा सुपरफास्ट एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को जयपुर से 22.15 बजे प्रस्थान करती है और रविवार को 16.50 बजे वसई रोड पहुँचकर सोमवार को 18.25 बजे यशवंतपुर पहुँचती है। यह ट्रेन यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में टुमाकुरू, अरसीकेरे, बिरूर, चिकजाजुर, चित्रादुर्गा, बल्लारी, गुंतकल, मंत्रालयम रोड, रायचुर, यादगिर, वाडी, गुलबर्गा, सोलापुर, पुणे, पनवेल, वसई रोड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, चित्तौड़गढ़, चंदेरिया, भीलवाड़ा तथा अजमेर जं. स्टेशनों पर रुकती है। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर तथा शयनयान डिब्बे रहते हैं।

वस्त्राल में उमिया माता की यात्रा दौरान पास-भाजपा बीच भिड़न्त

अहमदाबाद। वस्त्राल में उमिया माता की रथयात्रा के दौरान भाज पा और पास के कार्यकर्ता के दो गुटों के बीच मुठभेड़ होने से काफी उत्तेजना फैल गई। माता की रथयात्रा के दौरान भाजपा और पास के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गये और हाथापाई और मारपीट होने पर कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पास के नाराज हुए कार्यकर्ताओं ने गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा के बड़े पोस्टरों-बैनर को फाड दिए, भाजपा के स्थानीय नेताओं और अग्रणियों ने पास के अग्रणियों को धक्का देने से दोनों पक्षों में मामला बिगड़ गया और दोनों गुट के बीच मुठभेड़ शुरू हो गया। रामोल पुलिस ने सावधानी के तहत पास के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर परिस्थिति को शांत कर दिया। हालांकि, पुलिस की हिरासत काम को लेकर पास के नेताओं और अग्रणियों ने सरकार के इशारे पर दमनकारी नीति अपनाई जा रही होने का गंभीर आरोप लगाया था। वस्त्राल में उमिया माता की रथयात्रा के दौरान पास और बीजेपी के कार्यकर्ताओं के बीच मामला इतने हद तक बिगड़ गया था कि, दोनों गुट के कार्यकर्ता हाथापाई उतर गये। हालांकि, परिस्थिति बेकाबू हो उसके पहले ही पुलिस ने काफी प्रयास के बाद स्थिति को काबू में ले लिया और मामले को शांत कर दिया। भाजपा और पास के गुट के बीच हुए भिड़न्त बाद पूरे क्षेत्र में कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया और लोगों में एक समय में भारी उत्तेजना फैल गई थी। लेकिन पुलिस ने सूझबूझ अपनाकर पास के अग्रणी सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया, बाद में काफी समझाने के बाद विवाद शांत हुआ।

सरथाणा में ट्राफिक पुलिस पर हमला

सूरत। सरथाणा इलाके में बीच रास्ते पर झगड़ा कर ट्राफिक जाम करने पर युवक को रोकने गए ट्राफिक पुलिस पर हमला किए जाने की घटना सामने आयी है। सरथाणा पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर पुलिस की ट्राफिक शाखा में रीजयन-3 सर्कल-9 में कार्यरत कॉन्स्टेबल निलेष अनिल जोषी गत रोज सरथाणा श्याम मंदिर रोड के पास कार्यरत थे। उसी समय साईं दर्शन सोसायटी, कामरेज निवासी देवांग बाबु भुवा ने बीच रास्ते पर लोगों के साथ झगड़ा कर ट्राफिक जाम किया था। जिससे निलेष जोशी समेत पुलिसकर्मी देवांग को रोकने के लिए गए थे, तभी निलेष पर हमला कर उसके साथ मारपीट की। सरथाणा पुलिस ने कॉन्स्टेबल निलेष जोशी तहरीर के आधार पर देवांग भुवा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

वराछा के एकता नगर में घर में लगी आग

सूरत। शुक्रवार की सुबह 7.30 बजे के करीब वराछा स्थित अंकुर चार रास्ते के निकट स्थित एकता नगर सोसायटी के एक मकान में आग लग गई।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फायर ब्रिगेड़ आफिस में सुबह 7.30 बजे के करीब फोन आया कि एकता नगर सोसायटी के एक मकान में रसोई गैर का सिलिंडर लीक होने से आग लग गई है। आग की सूचना मिलते ही फायर आफिसर सरोजी वेडिया ने अपनी टीम के साथ पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग एकतानगर सोसायटी के मकान नं. 121 में लगी थी। यह मकान शिवकुमार प्रजापति नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। जिसमें मनोज मौतम नाम व्यक्ति किराये पर रह रहे है। आज सुबह खाना बनाते समय अचानक गैस सिलिंडर से गैर लीक होने लगा जिससे पूरे घर मे ंआग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए कपोद्रा तथा कतारगाम के फायर फाइटरों की मदद लेनी पड़ी। आग की चपेट में आने से घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। गनिमत यह रहा कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

नया भारत निर्माण में युवा उद्योग साहसिक शक्ति और सामर्थ्य से नेतृत्व करें: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात के युवा उद्योग साहसिकों- यंग एंटरप्रिन्योर के सामर्थ्य को निखार प्रदान करने के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' का नया विचार रखा है। उन्होंने कहा कि पर परागत रूढ़ीवादी व्यवसाय के साथ अब समय के साथ चलते हुए नये प्रोडक्ट और नये इनॉवेशंस से गुजरात को वैश्विक स्पर्धा में अग्रसर बनाना है। अगर समय के साथ नहीं चले तो हम पीछे रह सकते हैं।

विजय रूपाणी ने आज अहमदाबाद में यंग गुजरात-न्यू इंडिया के अंतर्गत राज्य के युवा उद्योग साहसिकों के साथ वार्तालाप करके उनके नये विचार जानने का उपक्रम किया। उन्होंने कहा कि इसके चलते राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा सहित सर्वग्राही विकास को गति मिलेगी और वाइब्रेंट समिट के साथ नयी इकोनॉमी को बूस्ट मिलेगा। उन्होंने कहा कि डायलॉग और वैचारिक आदान-प्रदान का सिलसिला जारी रखा जाएगा। सरकार का मन खुला है और सुचारू सुझावों का स्वागत कर योग्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी। उन्होंने आह्वान किया कि यह युवाशक्ति नयी सोच, नये विचारों, नये आविष्कारों के साथ नया भारत निर्माण- न्यु इंडिया के लिए यंग गुजरात शेपिंग अ न्यू इंडिया के लक्ष्य को हासिल करे। टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन और डिजिटल इकोनॉमी इंटेलिजेंसी के साथ पुरानी पर पराओं का समन्वय करके परिवर्तन की लहर चलानी होगी। पुरानी पीढ़ी के अनुभव और नयी पीढ़ी के परिवर्तन का समन्वय करना आवश्यक है। आज मोनोपॉली का जमाना नहीं रहा है और वैश्विक प्रतियोगिता का युग है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)